विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – षष्ठ **दिनांक -०७ -०५ - २०२१**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज सी ,सी, ए, के अन्तर्गत स्वच्छता पर कहानी के बारे में अध्ययन करेंगे ।

स्वच्छता पर कहानी *:* महाबालेश्वर में रहने के दौरान गांधी जी रोजाना की तरह शाम को टहलने के लिए निकले | सहसा उनकी नजर एक 10 – 12 वर्ष के बालक पर पड़ी जो सड़क के किनारे हाथ जोड़ कर खड़ा था |

उसकी जाँघिया बहुत गंदी थी | उसके कंधे पर पर एक कपड़ा था वह भी मैला – कुचैला था | कुल मिला – जुलाकर उसे देख ऐसा प्रतीत हो रहा था कि उसने कई दिनों से स्नान तक नहीं किया है |

बापू उसके पास गए और उसके कंधे पर रखा कपडा लेने के लिए जैसे ही हाथ बढ़ाया वह पीछे हट गया और अपना कपड़ा देने से मना कर दिया |

बापू ने उसे समझाया कि यह तुम्हारा कपड़ा मैं कल वापस दे दूंगा और साथ में कुछ अच्छी चीजे खाने को भी दूंगा | तब जाकर उस बालक ने गांधी जी को अपना कपड़ा दे दिया इस लालच में कि उसे कुछ अच्छे पकवान खाने को मिलेंगे |

अगले दिन सुबह गाँधी जी ने प्यारेलाल से अपने साथ कुछ खादी कपड़ा, एक बट्टी साबुन खाने की कुछ चीजे ले चलने को कहा | लड़का दूसरे दिन भी वही सड़क के किनारे खड़ा था |

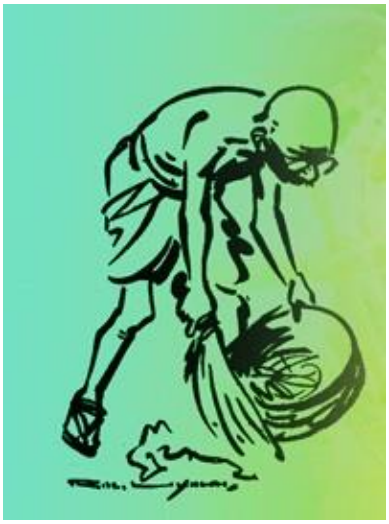
स्वच्छता पर शिक्षाप्रद हिंदी कहानी

बापू उसके पास गए और उसको प्यार किया | उसे साफ़ कपडे पहनने को दिए, खाने की चीजे दी और कहा कि कल नहा करके यहाँ फिर आना | उस दिन के बाद वह बालक रोजाना नहा – धोकर साफ – सुधरा वस्त्र पहनकर वहां आने लगा |

साफ – सफाई सबके लिए जरुरी होता है क्योंकि एक स्वस्थ्य शरीर में ही स्वस्थ्य मष्तिक का निर्माण होता है | हाँ और एक बात नहा – धोकर साफ – सुधरे कपड़े पहनने वाले बालक सबको अच्छे लगते है इसलिए सभी बच्चों को अपने शरीर के साथ अपने आस – पास की स्वच्छता का भी ध्यान रखना चाहिए |

गृहकार्य

महात्मा गांधी जी का चित्र बनाइए।